डैनियल की पुस्तक - संख्या एक सौ सत्ताईस

दुष्ट गठबंधन की भविष्यसूचक विशेषताओं का अनावरण: यशायाह से मिली अंतर्दृष्टियाँ

Jeff Pippenger
2024-03-10

ड्रैगन की भविष्यवाणीय विशेषता गठबंधन है, जैसा कि यशायाह ने पहचाना है।

> हे लोगो, मिलकर संगठित हो जाओ, तो भी तुम टुकड़े-टुकड़े किए जाओगे; और सुनो, हे दूर देशों के सब लोग: कमर कसो, तो भी तुम टुकड़े-टुकड़े किए जाओगे; कमर कसो, तो भी तुम टुकड़े-टुकड़े किए जाओगे। परामर्श करो, पर वह निष्फल होगा; वचन कहो, पर वह स्थिर न रहेगा; क्योंकि परमेश्वर हमारे साथ है। क्योंकि प्रभु ने सशक्त हाथ से मुझसे यूँ कहा, और मुझे यह शिक्षा दी कि मैं इस प्रजा के मार्ग पर न चलूँ, यह कहते हुए: “तुम उन सबके विषय में, जिनके विषय में यह प्रजा ‘षड्यंत्र’ कहती है, ‘षड्यंत्र’ न कहो; न उनके भय से भय खाओ, न घबराओ। सेनाओं के प्रभु को ही पवित्र मानो; उसी से डरो, और उसी का भय मानो। और वह तुम्हारे लिए पवित्रस्थान ठहरेगा; परन्तु इस्राएल के दोनों घरानों के लिए ठोकर का पत्थर और ठोकर की चट्टान, और यरूशलेम के निवासियों के लिए फंदा और जाल होगा। और उनमें से बहुत से ठोकर खाएँगे, गिरेंगे, टूटेंगे, फँसेंगे, और पकड़े जाएँगे। गवाही को बाँध, और मेरी व्यवस्था को मेरे शिष्यों के बीच मुहरबंद कर।” यशायाह 8:9-16।

अंतिम दिनों में, एक लाख चवालीस हज़ार की मुहर लगाने के समय, जब यशायाह कहता है, “साक्ष्यपत्र को बाँध, और मेरी व्यवस्था को मेरे चेलों में मुहर कर,” तब पृथ्वी ग्रह पर एक “दुष्ट संधि” है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि संयुक्त राज्य अमेरिका का इतिहास, जो रविवार के क़ानून की ओर ले जाता है, वैश्विक स्तर पर उन्हीं घटनाओं का पूर्वचित्रण करता है।

> “विदेशी राष्ट्र संयुक्त राज्य अमेरिका के उदाहरण का अनुसरण करेंगे। यद्यपि वह अग्रणी है, तौभी वही संकट संसार के सभी भागों में हमारे लोगों पर आएगा।” टेस्टिमोनिज़, खंड 6, 395।

सिस्टर वाइट सावधानीपूर्वक यह पहचानती हैं कि “दुष्ट गठबंधन” कौन है, और यह आधुनिक वैश्वीकरणवादियों के प्रगतिशील उदारवाद का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसा करते हुए, वह यशायाह की पूर्ववर्ती आयतों को बार-बार उद्धृत करती हैं, जो एक लाख चवालीस हज़ार की मुहरबंदी के समय एक दुष्ट गठबंधन की पहचान कराती हैं।

> प्रभु भविष्यद्वक्ता यशायाह के माध्यम से घोषित करते हैं: यशायाह 8:9–13 उद्धृत किया गया है।
>
> कुछ लोग यह प्रश्न उठाते हैं कि फ्रीमेसन और अन्य गुप्त समाजों का सदस्य होना ईसाइयों के लिए उचित है या नहीं। ऐसे सभी लोग अभी उद्धृत किए गए पवित्र शास्त्रों पर विचार करें। यदि हम सचमुच ईसाई हैं, तो हमें हर जगह ईसाई होना चाहिए, और परमेश्वर के वचन के मानक के अनुसार हमें ईसाई बनाने के लिए दी गई सलाह पर विचार करना और उसका पालन करना चाहिए। Evangelism, 617, 618.

अंतिम दिनों का दुष्ट गठबंधन फ्रीमेसन और अन्य गुप्त समाजों से जुड़ा हुआ है। उसका धर्म आत्मवाद है, और यह दुनिया के बैंकरों तथा अरबपति व्यापारियों से मिलकर बना है, जो "दुनिया की संपत्ति और शक्ति का केंद्रीकरण" करते हैं, और जो एंटीफा तथा ब्लैक लाइव्स मैटर जैसे आंदोलनों को "विश्वव्यापी स्तर" पर "अशांति, दंगा और रक्तपात की भावना" भड़काने के लिए बढ़ावा देते हैं, "फ्रांसीसी क्रांति" की अराजकता को पुनः उत्पन्न करने के प्रयास में।

> आत्मवाद यह दावा करता है कि मनुष्य पतनरहित अर्धदेवता हैं; कि 'प्रत्येक मन स्वयं अपना न्याय करेगा;' कि 'सच्चा ज्ञान मनुष्य को सभी कानूनों से ऊपर रख देता है;' कि 'किए गए सभी पाप निर्दोष हैं;' क्योंकि 'जो कुछ है, वही ठीक है,' और 'ईश्वर दोषी नहीं ठहराता।' यह मानवों में सबसे अधम को भी स्वर्ग में, और वहाँ अत्यंत

> उच्च स्थान पर प्रस्तुत करता है। इस प्रकार यह सब मनुष्यों से कहता है, 'तुम क्या करते हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता; जैसी इच्छा हो वैसे जीओ, स्वर्ग तुम्हारा घर है।' इस प्रकार असंख्य लोग यह मानने लगते हैं कि इच्छा ही सर्वोच्च नियम है, कि उच्छृंखलता ही स्वतंत्रता है, और कि मनुष्य केवल अपने प्रति ही उत्तरदायी है।
>
> "जीवन के बिल्कुल प्रारंभ में जब इस प्रकार की शिक्षा दी जाती है, जब आवेग सबसे प्रबल होता है, और आत्म-संयम तथा पवित्रता की माँग सबसे अधिक तात्कालिक होती है, तब सदाचार के रक्षक उपाय कहाँ हैं? संसार को दूसरा सदोम बनने से कौन रोकेगा? उसी समय अराजकता न केवल दैवीय, बल्कि मानवीय सभी कानूनों को उखाड़ फेंकने का प्रयास कर रही है। धन और शक्ति का केंद्रीकरण; बहुसंख्यकों की कीमत पर कुछ को समृद्ध करने के लिए विशाल गठजोड़; अपने हितों और दावों की रक्षा के लिए गरीब वर्गों के गठजोड़; अशांति, दंगे और रक्तपात की भावना; फ्रांसीसी क्रांति को जन्म देने वाली उन्हीं शिक्षाओं का विश्वव्यापी प्रसार—ये सब मिलकर समूचे विश्व को उस तरह के संघर्ष में उलझाने की प्रवृत्ति रखते हैं, जैसा संघर्ष फ्रांस को झकझोर चुका था।" Education, 227, 228.

हर विचारशील व्यक्ति को अपने आप से पूछना चाहिए कि ऐसी बैठकों में क्या होता है, जैसी हाल ही में दावोस में हुई थी, जहाँ पुरुष पृथ्वी की बाकी आबादी का तनिक भी विचार किए बिना ग्रह पृथ्वी के लिए अपनी योजनाएँ व्यक्त करते हैं? वहाँ किन रहस्यों पर चर्चा हुई? बेशक, दावोस दुनिया के अरबपतियों, बैंकरों, भ्रष्ट राजनेताओं और नैतिक रूप से विकृत पुरुषों की कई गुप्त, प्रतिबंधित बैठकों में से बस एक है, जहाँ वे ग्रह पृथ्वी के लिए अपनी उच्च योजनाएँ बनाते हैं.

> इन अंतिम दिनों में अजीब भ्रांतियाँ और मनुष्य-निर्मित सिद्धांत उत्पन्न हो रहे हैं, जिनके विषय में परमेश्वर घोषित करता है कि उन्हें चूर-चूर कर दिया जाएगा। लोभ की भावना ने मनुष्यों को सांसारिक लाभ खोजने के लिए प्रेरित किया है, और अपव्यय व दिखावे के द्वारा उन्होंने अपने उद्देश्य तक पहुँचने के लिए किए गए दुष्कर्मों को छिपाने की कोशिश की है। विश्वास के उच्च पदों पर बैठे लोगों ने इस अवैध लाभ की चाह को उजागर किया है; उन्होंने जबरन वसूली और लूटपाट की है, और अपने हृदय की दुष्ट वासनाओं को तुष्ट किया है, यहाँ तक कि उनकी दुष्टता से हमारे नगर भ्रष्ट हो गए हैं। परमेश्वर ने घोषित किया है कि वह उनकी अपनी ही करतूतों के द्वारा छल और लूट के इन कार्यों को बेनकाब करेगा। कुछ मामलों में परमेश्वर के न्याय पहले ही इन नगरों पर भारी पड़ चुके हैं।
>
> "यशायाह 8:8-12 उद्धृत।" रिव्यू एंड हेराल्ड, 18 जुलाई, 1907।

शहर भ्रष्ट हो चुके हैं, जैसा कि पिछले अनुच्छेद में भविष्यवाणी की गई थी, और वह भ्रष्टाचार यशायाह के अध्याय आठ की दुष्ट सांठगांठ के कारण हुआ है। वे "विश्वास के उच्च पदों पर आसीन पुरुषों" द्वारा भ्रष्ट किए गए हैं, जिन्होंने अपनी "अवैध लाभ की लालसा" को "प्रकट" कर दिया है। ये भ्रष्ट शहर उन राज्यों में आसानी से देखे जा सकते हैं जिनके अटॉर्नी जनरल जॉर्ज सोरोस जैसे कम्युनिस्टों के धन से निर्वाचित हुए हैं। यह तब दिखाई देता है जब वॉशिंगटन, डी.सी. में भ्रष्ट राजनीतिज्ञ स्थापित कानूनों को लागू नहीं करते। यह उन कानूनों में भी देखा जा सकता है जो केवल राजनीतिक स्पेक्ट्रम के दूसरे पक्ष वालों के खिलाफ ही लागू किए जाते हैं, जैसा कि नैन्सी पेलोसी और एडम शिफ़ जैसे व्यक्तियों से स्पष्ट होता है।

> प्रभु के विरुद्ध अपराध करना और झूठ बोलना, और हमारे परमेश्वर से दूर हट जाना, अत्याचार और विद्रोह की बातें करना, हृदय में असत्य गढ़ना और उसे मुख से कहना। और न्याय पीछे को हट गया है, और धर्म दूर खड़ा है; क्योंकि सत्य मार्ग में गिर पड़ा है, और सीधाई भीतर प्रवेश नहीं कर सकती। हाँ, सत्य असफल हो गया है; और जो बुराई से हटता है वह शिकार बन जाता है; और प्रभु ने यह देखा, और यह उसे बुरा लगा कि न्याय नहीं था। यशायाह 59:13-15.

रिव्यू एंड हेराल्ड के पिछले अंश में, विश्वास के उच्च पदों पर आसीन पुरुष उन भ्रष्ट राजनीतिज्ञों की पहचान करते हैं जिनके वॉल स्ट्रीट पोर्टफोलियो हमेशा सर्वोत्तम संभावित रिटर्न से भी अधिक होते हैं, क्योंकि उन्होंने अपने

लिए—और किसी और के लिए नहीं—"इनसाइडर ट्रेडिंग" को वैध बनाने के लिए जो विधायी काम किया है, उसकी वजह से। मार्था स्टुअर्ट के इतिहास की समीक्षा करें। उस अंश में जिन नगरों का उल्लेख है वे अपनी दुष्टता के कारण भ्रष्ट हो गए हैं, और यह बात विशेष रूप से उन नगरों और राज्यों में स्पष्ट दिखती है जिन्हें वैश्विकतावादी डेमोक्रेट्स शासित करते हैं।

अन्तिम दिनों में दुष्ट गठबंधन अजगर, पशु और झूठे भविष्यद्वक्ता से बना है, और पशु तथा झूठे भविष्यद्वक्ता, दोनों के अपने-अपने दुष्ट भविष्यसूचक गुण हैं, किन्तु उदारतावादी वैश्वीकरण में जो विशेषताएँ इतनी स्पष्ट दिखाई देती हैं, वे अजगर के ही लक्षण हैं.

> प्रकाशितवाक्य 17:13-14 का उद्धरण। 'ये सब एक मन के हैं।' एक सार्वभौमिक एकता का बंधन होगा, एक महान सामंजस्य, शैतान की सेनाओं का एक गठबंधन। 'और वे अपना अधिकार और अपनी शक्ति उस पशु को दे देंगे।' इस प्रकार धार्मिक स्वतंत्रता, अर्थात् विवेक के निर्देशों के अनुसार परमेश्वर की आराधना करने की स्वतंत्रता, के विरुद्ध वही मनमानी, दमनकारी सत्ता प्रकट होती है, जैसी पोपतंत्र ने प्रकट की थी, जब अतीत में उसने उन लोगों को सताया जिन्होंने रोमनवाद के धार्मिक रीति-रिवाजों और समारोहों के अनुरूप होने से इंकार करने का साहस किया था।
>
> अंतिम दिनों में लड़े जाने वाले युद्ध में, यहोवा की व्यवस्था के प्रति निष्ठा से विमुख हो चुकी सारी भ्रष्ट शक्तियाँ परमेश्वर के लोगों के विरोध में एकजुट हो जाएँगी। इस युद्ध में चौथी आज्ञा का सब्त सबसे प्रमुख विवाद का मुद्दा होगा; क्योंकि सब्त की आज्ञा में महान विधिदाता स्वयं को आकाश और पृथ्वी के सृष्टिकर्ता के रूप में घोषित करता है। The Seventh-day Adventist Bible Commentary, 983.

हम निम्नलिखित लेखों में पशु और धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद की भविष्यसूचक विशेषताओं पर विचार करेंगे। यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि किस राजनीतिक पार्टी के बारे में यह प्रकट किया गया है कि वह रविवार संबंधी कानून के प्रवर्तन में अगुवाई कर रही है और पर्दे के पीछे से डोर खींच रही है। निस्संदेह, दोनों दल (डेमोक्रेट और रिपब्लिकन) रविवार कानून के मुद्दे पर एकजुट हो जाते हैं, जैसे क्रूस पर फरीसियों और सदूकियों ने किया था; लेकिन यह सुझाव देने का कोई औचित्यपूर्ण कारण नहीं है कि प्रोटेस्टेंट या धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंट का लेबल डेमोक्रेटिक पार्टी से जोड़ा जा सकता है, क्योंकि वह स्पष्ट रूप से अजगर की शक्ति है।

एक लाख चवालीस हज़ार की मुहरबंदी का इतिहास वह इतिहास है जिसमें यशायाह अध्याय आठ के दुष्ट गठबंधन की पहचान होती है। वह इतिहास 11 सितंबर, 2001 को शुरू हुआ, जब चौथे राष्ट्रपति, बुश द्वितीय, सत्ता में थे। उसी इतिहास में छठे राष्ट्रपति 2016 में आएगा, और वह यूनान के समूचे राज्य को जगाएगा (उकसाएगा), क्योंकि वह संसार को अजगर की शक्ति और उस धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद के बीच होने वाले संघर्ष के प्रति जागृत करेगा, जो पृथ्वी के सिंहासन पर पशु को पुनः स्थापित करने का कार्य पूरा करता है।

ट्रम्प के प्रति अंधी, अविवेकी घृणा को कई लोग पागलपन का एक प्रकार मानते हैं, क्योंकि वह बेईमानी और अतार्किकता पर आधारित है। दुनिया ट्रम्प के प्रति उस अनुचित घृणा को परिभाषित करने की कोशिश करती है, पर वास्तविकता यह है कि वह वैश्वादियों की ओर से कोई सीधी-सादी मानवीय पागलपन नहीं, बल्कि एक लाख चवालीस हजार की मुहरबंदी के इतिहास में भविष्यवाणी की पूर्ति का अलौकिक प्रकट होना है।

> ओ, काश परमेश्वर की प्रजा को उन हजारों नगरों पर आने वाले आसन्न विनाश का एहसास होता, जो अब लगभग मूर्तिपूजा में डूबे हुए हैं! परन्तु जिन बहुतों को सत्य का प्रचार करना चाहिए, वे अपने भाइयों पर आरोप लगा रहे हैं और उन्हें दोषी ठहरा रहे हैं। जब परमेश्वर की परिवर्तित करने वाली शक्ति मनों पर आएगी, तो एक निर्णायक परिवर्तन होगा। लोगों में आलोचना करने और दूसरों को गिराने की प्रवृत्ति नहीं रहेगी। वे ऐसी स्थिति में खड़े नहीं होंगे जो दुनिया तक प्रकाश के पहुँचने में बाधा डाले। उनकी आलोचना, उनका दोषारोपण, समाप्त हो जाएगा। शत्रु की शक्तियाँ युद्ध के लिए एकत्र हो रही हैं। भीषण संघर्ष हमारे सामने हैं। मेरे भाइयों और बहनों, एकजुट हो जाओ, एकजुट हो जाओ। मसीह के साथ बंधो। 'तुम न कहो, सांठगांठ, . . . न उनके भय से डरो, न

> भयभीत हो। सेनाओं के प्रभु को आप ही पवित्र मानो; और वही तुम्हारा भय हो, और वही तुम्हारा डर बने। और वह तुम्हारे लिए एक शरणस्थान होगा; परन्तु इस्राएल के दोनों घरानों के लिए ठोकर खाने का पत्थर और ठेस खाने की चट्टान रहेगा, और यरूशलेम के निवासियों के लिए फंदा और जाल होगा। और उनमें से बहुत से ठोकर खाएँगे, गिरेंगे, टूटेंगे, फंदे में फँसेंगे, और पकड़े जाएँगे.'
>
> दुनिया एक रंगमंच है। इसके अभिनेता, अर्थात उसके निवासी, अंतिम महान नाटक में अपनी-अपनी भूमिका निभाने की तैयारी कर रहे हैं। ईश्वर दृष्टि से ओझल हो गए हैं। मानव जाति के बड़े समूहों में कोई एकता नहीं है, सिवाय इसके कि लोग अपने स्वार्थी उद्देश्यों की पूर्ति के लिए आपस में गठजोड़ कर लेते हैं। ईश्वर देख रहे हैं। अपने विद्रोही प्रजाजनों के विषय में उनके उद्देश्य पूरे होकर रहेंगे। दुनिया मनुष्यों के हाथों में सौंपी नहीं गई है, यद्यपि ईश्वर कुछ समय के लिए भ्रम और अव्यवस्था के तत्वों को हावी होने दे रहे हैं। अधोलोक से आने वाली एक शक्ति इस नाटक के अंतिम महान दृश्य लाने के लिए काम कर रही है—शैतान मसीह के रूप में आ रहा है, और उन लोगों में हर प्रकार की अधर्मपूर्ण छल-कपट के साथ कार्य कर रहा है, जो गुप्त समाजों में आपस में बंध रहे हैं। जो लोग गठबंधन के जुनून के आगे झुक रहे हैं, वे शत्रु की योजनाओं को अंजाम दे रहे हैं। कारण के बाद परिणाम आएगा।
>
> अधर्मिता लगभग अपनी सीमा तक पहुँच चुकी है। भ्रम और अव्यवस्था ने संसार को भर दिया है, और शीघ्र ही मनुष्यों पर एक बड़ा आतंक आने वाला है। अंत बहुत निकट है। हम, जो सत्य को जानते हैं, हमें उस बात के लिए तैयार होना चाहिए जो शीघ्र ही एक अत्यंत अप्रत्याशित आघात की तरह संसार पर टूट पड़ेगी। रिव्यू एंड हेराल्ड, 10 सितंबर, 1903.

तीसरी विपत्ति का इस्लाम "हजारों शहरों" पर प्रहार करने वाला है, और लाओदिकियन एडवेंटिज़्म को होने वाले आसन्न विनाश का कोई एहसास नहीं है। उस समय में जब यशायाह की दुष्ट संधि अपना कार्य पूरा कर रही है, वहाँ एक शैतानी "नीचे से आने वाली शक्ति" है जो "नाटक के अंतिम महान दृश्यों को लाने के लिए काम कर रही है," और ये बातें एक "अत्यंत चौंका देने वाला आश्चर्य" के रूप में आती हैं। ट्रम्प के प्रति प्रदर्शित पागलपन नीचे से आने वाली एक शक्ति के कारण है। यह पृथ्वी के इतिहास के अंतिम दृश्यों का एक हिस्सा है।

इसे ट्रम्प के समर्थन के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए; यह केवल परमेश्वर का वचन है, जो कभी असफल नहीं होता। एक लाख चवालीस हजार पर मुहर लगाए जाने के समय, परमेश्वर ऊपर से अपनी सामर्थ्य उंडेल रहे हैं, जबकि शैतान नीचे से अपनी सामर्थ्य का प्रयोग कर रहा है।

> यदि हम तीसरे स्वर्गदूत के संदेश की आत्मा और शक्ति पाना चाहते हैं, तो हमें व्यवस्था और सुसमाचार को साथ-साथ प्रस्तुत करना चाहिए, क्योंकि वे हाथ में हाथ डालकर चलते हैं। जैसे नीचे से आने वाली एक शक्ति अवज्ञा के पुत्रों को उकसा रही है कि वे परमेश्वर की व्यवस्था को निष्फल करें और उस सत्य को पैरों तले रौंदें कि मसीह हमारी धार्मिकता हैं, वैसे ही ऊपर से आने वाली एक शक्ति विश्वासयोग्य लोगों के हृदयों पर कार्य कर रही है, ताकि व्यवस्था को उच्च ठहराया जाए और यीशु को एक पूर्ण उद्धारकर्ता के रूप में ऊँचा उठाया जाए। यदि दिव्य शक्ति को परमेश्वर के लोगों के अनुभव में नहीं लाया जाता, तो मिथ्या सिद्धांत और धारणाएँ मनों को बंदी बना लेंगी, मसीह और उनकी धार्मिकता बहुतों के अनुभव से निकल जाएगी, और उनका विश्वास शक्ति और जीवन रहित हो जाएगा। सुसमाचार के कार्यकर्ता, 161.

शीघ्र आने वाले रविवार के कानून से पहले और उसकी ओर बढ़ने वाली घटनाओं के दौरान जो शैतानी शक्ति का प्रकटन होता है, वह उसी रविवार के कानून के समय घटित होने वाले शैतान की शक्ति के चरम कृत्य का प्रतीक है.

> “परमेश्वर की व्यवस्था का उल्लंघन करते हुए पोपसत्ता की संस्था को लागू करने वाली आज्ञप्ति के द्वारा, हमारा राष्ट्र अपने को धार्मिकता से पूर्णतः पृथक कर लेगा। जब प्रोटेस्टेंटवाद अपने हाथ को उस खाई के पार बढ़ाकर रोमी शक्ति का हाथ थामेगा, जब वह उस अथाह गर्त के ऊपर से बढ़कर आत्मवाद के साथ हाथ मिलाएगा, जब इस त्रिविध संघ के प्रभाव के अधीन हमारा देश एक प्रोटेस्टेंट और गणतांत्रिक शासन के रूप में अपने संविधान

> के प्रत्येक सिद्धांत का परित्याग कर देगा, और पोपसत्तात्मक मिथ्याओं तथा भ्रमों के प्रसार के लिए प्रावधान करेगा, तब हम जान सकेंगे कि शैतान के अद्भुत कार्य करने का समय आ पहुँचा है और अंत निकट है।" Testimonies, volume 5, 451.

जो प्रेरणा इस समय नीचे से आ रही है और संयुक्त राज्य अमेरिका में ड्रैगन के वैश्वादी प्रतिनिधियों के माध्यम से अपनी गतिविधियाँ प्रकट कर रही है, वही रविवार के कानून के आने के बाद दुनिया के राष्ट्रों में पुनः प्रकट होगी। अभी भी, दुनिया के राष्ट्र ट्रम्प को लेकर वही अलौकिक पागलपन प्रकट कर रहे हैं।

> "विदेशी राष्ट्र संयुक्त राज्य अमेरिका के उदाहरण का अनुसरण करेंगे। यद्यपि वह अगुवाई करती है, तौभी वही संकट संसार के सब भागों में हमारे लोगों पर आ पड़ेगा।" टेस्टिमनीज़, खंड 6, 395.

संयुक्त राज्य अमेरिका के रिपब्लिकन, ट्रम्प के प्रति डेमोक्रेट्स के अतार्किक विरोध को पागलपन करार देते हैं, जबकि वास्तव में वह शैतानी शक्ति की एक अलौकिक अभिव्यक्ति है, जो दानिय्येल अध्याय ग्यारह, पद दो की पूर्ति में है। 1989 में 'अंत के समय' से गिने जाने पर ट्रम्प छठे राष्ट्रपति थे, जिन्हें पूरे विश्व के समाजवादी वैश्विकतावादियों को "stir up" (जगाना) करना था। उनके खिलाफ जो घृणा है वह अलौकिक है, और वह शीघ्र आने वाले रविवार के कानून के समय और भी बड़े स्तर पर आने वाली शैतानी शक्ति की अभिव्यक्ति का पूर्वाभास कराती है।

सिस्टर व्हाइट के उल्लेख के अनुसार, नीचे से आने वाली शक्ति का प्रगटीकरण दुष्ट गठबंधन के दौरान होता है, जिसके बारे में यशायाह आठवें अध्याय में चेतावनी देता है, और उसी अवधि में परमेश्वर के लोगों पर मुहर लगाई जा रही है।

> गवाही को बाँधो, मेरे शिष्यों के बीच व्यवस्था पर मुहर लगा दो। यशायाह 8:16.

हम इस अध्ययन को अगले लेख में जारी रखेंगे।

> अलौकिक प्रकृति के भयावह दृश्य शीघ्र ही आकाश में प्रकट होंगे, चमत्कार करने वाली दुष्टात्माओं की शक्ति के संकेतस्वरूप। शैतानों की आत्माएँ पृथ्वी के राजाओं और समस्त संसार के पास जाएँगी, ताकि उन्हें छल में जकड़ें और उन्हें उकसाएँ कि वे स्वर्ग के शासन के विरुद्ध उसकी अंतिम लड़ाई में शैतान के साथ मिल जाएँ। इन माध्यमों से शासक और प्रजा समान रूप से धोखा खाएँगे। ऐसे लोग उठ खड़े होंगे जो यह दिखावा करेंगे कि वे स्वयं मसीह हैं, और उस उपाधि और आराधना का दावा करेंगे जो जगत के उद्धारकर्ता की है। वे चंगाई के अद्भुत चमत्कार करेंगे और यह दावा करेंगे कि उन्हें स्वर्ग से ऐसे प्रकाशन मिले हैं जो पवित्र शास्त्र की गवाही का खंडन करते हैं।
>
> छल के महान नाटक की पराकाष्ठा के रूप में, शैतान स्वयं मसीह का रूप धारण करेगा। कलीसिया लंबे समय से उद्धारकर्ता के आगमन को अपनी आशाओं की परिणति मानती आई है। अब वह महान छलिया यह आभास कराएगा कि मसीह आ गए हैं। पृथ्वी के विभिन्न भागों में, शैतान मनुष्यों के बीच चकाचौंध कर देने वाली दीप्ति से युक्त, एक महिमामय व्यक्तित्व के रूप में प्रकट होगा, जो प्रकाशितवाक्य में यूहन्ना द्वारा दिए गए परमेश्वर के पुत्र के वर्णन के समान होगा। प्रकाशितवाक्य 1:13–15। उसके चारों ओर की महिमा ऐसी होगी, जैसी नश्वर आँखों ने अब तक कभी नहीं देखी। विजय का जयघोष वातावरण में गूंज उठेगा: 'मसीह आ गए! मसीह आ गए!' लोग उसके सामने दंडवत होकर आराधना करेंगे, और वह अपने हाथ उठाकर उन पर आशीष देगा, जैसे जब मसीह पृथ्वी पर थे, तब उन्होंने अपने चेलों को आशीष दी थी। उसकी वाणी कोमल और मंद होगी, फिर भी मधुरता से परिपूर्ण। नम्र, करुणामय स्वर में वह वही कुछ अनुग्रहपूर्ण, स्वर्गीय सत्य प्रस्तुत करेगा जो उद्धारकर्ता ने कहे थे; वह लोगों की बीमारियाँ चंगा करेगा, और फिर, मसीह का रूप धारण किए हुए, दावा करेगा कि उसने विश्रामदिन को रविवार में बदल दिया है, और सबको उस दिन को पवित्र मानने की आज्ञा देगा जिसे उसने आशीष दी है। वह यह घोषित करेगा कि जो लोग सातवें दिन को पवित्र मानते रहने पर अड़े हैं, वे उसके द्वारा ज्योति और सत्य लेकर उनके पास भेजे गए उसके स्वर्गदूतों की बात न सुनकर उसके नाम की निंदा कर रहे हैं। यह अत्यंत प्रबल, लगभग वशीभूत कर लेने वाला भ्रम होगा। जैसे सामरियों ने शमौन जादूगर से धोखा खाकर उसकी बात मानी

थी, वैसे ही छोटे से बड़े तक जनसमूह इस जादूगरी पर ध्यान देंगे और कहेंगे: यह 'परमेश्वर की बड़ी शक्ति' है। प्रेरितों के काम 8:10।

परन्तु परमेश्वर के लोग गुमराह नहीं होंगे। इस झूठे मसीह की शिक्षाएँ पवित्र शास्त्रों के अनुरूप नहीं हैं। उसका आशीर्वाद पशु और उसकी प्रतिमा की उपासना करने वालों पर घोषित किया जाता है, उसी वर्ग पर जिसके विषय में बाइबल घोषणा करती है कि परमेश्वर का अमिश्रित क्रोध उन पर उंडेला जाएगा। महान विवाद, 624, 625.